To Start Construction Work of New Bus Stand Building

*36. **Sh. SUBHASH SUDHA (Thanesar), M.L.A.**: Will the Transport Minister be pleased to state :-

a) whether it is a fact that a new bus stand building in Pipli (Kurukshetra) was to be constructed but its construction work have not been started so far ; and

b) if so, the reasons thereof togetherwith the details thereof?

MOOL CHAND SHARMA, TRANSPORT MINISTER, HARYANA.

(a)and (b) For the implementation of the CM Announcement bearing code no. 12585 dated 29-05-2016 a new bus stand is to be constructed at Pipli. DIMTS has been appointed as the Consultant for the implementation of the project under PPP mode. The proposal of the Consultant has been forwarded to the Committee of Secretaries which is likely to finalise the Draft Request for Proposal to select the Concessionaire.

नए बस अड्डे के भवन का निर्माण कार्य आरम्भ करना

*36 **श्री सुभाष सुधा (थानेसर), विधायक:**

क्या परिवहन मंत्री कृपया बताएंगें कि :-

(क) क्या यह तथ्य है कि पिपली (कुरूक्षेत्र) में नए बस अड्डे के भवन का निर्माण किया जाना था परन्तु इसका निर्माण कार्य अब तक आरम्भ नहीं हुआ; तथा

(ख) यदि हां, तो उसके कारण क्या हैं तथा उसका ब्यौरा क्या है?

मूल चंद शर्मा, परिवहन मंत्री, हरियाणा।

(क)और(ख) मुख्यमंत्री महोदय द्वारा की गई घोषणा संख्या 12585 दिनांक 29.05.2016 के कियान्वयन हेतु पिपली में नया बस अड्डा बनाया जाना है। इस बस अड्डे को पी.पी.पी. मोड निर्माण परियोजना के अन्तर्गत कार्यान्वयन के लिए DIMTS को सलाहकार नियुक्त किया गया है। सलाहाकार का प्रस्ताव सचिवों की समिति को भेज दिया गया है इसमें इच्छुक Concessionaire का चयन करने के लिए अनुरोध प्रस्ताव मसौदे को अंतिम रूप दिया जाना है।

NOTE FOR PAD

*36 Pipli town comes under the jurisdiction of Kurukshetra Depot. A 6 Bays Bus Stand alongwith its Workshop at Kurukshetra was constructed on 8 Acre 5 Kanal land at a cost of Rs. 20,51,000/-. The Bus Stand was inaugurated on 13-07-1983. Kurukshetra Depot has a sanctioned fleet of 225 buses out of which 127 buses are being operating by the Depot. 16 buses are being operating under Kilometer Scheme. The buses are being operated locally as well as on the routes of Delhi, Rajasthan, Chandigarh, Punjab, Himachal Pradesh etc. Bus Stand Pipli is situated on NH-44 around 3 Kilometers away from main Bus Stand Kurukshetra. A 3 bays Bus Stand was constructed on 10 Acre 4 Kanal and 19 Marla land in the year 1987 and the same was inaugurated on 06.04.1987. The total amount spent on Pipli Bus Stand was 8,43,000/-.

Kurukshetra is a religious place and tourist comes from every corner of the country and also from abroad. Keeping in view of the above, Hon'ble Chief Minister, Haryana has made an announcement bearing code no 12585 dated 20.06.2016 under which a Modern Bus Stand is to be constructed at Pipli. The Government at level of Hon'ble CM, Haryana has approved to construct this Bus Stand on PPP Mode. DIMTS, New Delhi was selected as consultant.The consultancy firm has submitted the detailed project report but further process could not be started due to outcome of Covid-19 pandemic. The consultancy firm informed the office that due to Covid-19, there shall be no concessionaire and suggested to change the proposal for construction of bus stand under EPC(Self-financing) Mode. The DPR was accordingly revised and sent to the Hon'ble CM for changing the mode of construction of Bus Stand. The Hon'ble CM has desired that the approval of CoSI shall be obtained before changing the mode of construction. After discussion with consultancy firm, the Finance Department has desired that revised DPR on current pricing be submitted for decision.

Thereafter, it was also suggested by the consultancy firm that the period of Covid – 19 is over and the works are maturing smoothly. So, the department should go for PPP Mode once again as per earlier approval of Hon'ble CM. Accordingly, the office has issued directions to the consultant firm to put up the revised DPR on current pricing for perusal and approval. Now, the draft detailed project report is received from consultant which is submitted to Committee of Secretaries on Infrastructure for evaluation and approval. Further action will be taken after obtaining the approval from Committee of Secretaries and work will be allocated to the selected concessionaire through tender process.

नोट फॉर पैड

*36 पिपली कुरुक्षेत्र डिपो के अधिकार क्षेत्र में आता है। कुरूक्षेत्र में 6 बेज बस अड्डे और कर्मशाला का निर्माण 20,51,000/– रूपये की लागत से 8 एकड़ 5 कनाल भूमि पर किया गया था। बस अड्डे का उद्घाटन 13–07–1983 को किया गया था। कुरूक्षेत्र डिपो में 225 बसों का स्वीकृत बेड़ा है, जिसमें से 127 बसें संचालित की जा रही हैं। 16 बसों का संचालन किलोमीटर स्कीम के अंतर्गत किया जा रहा है। यह बसें स्थानीय मार्गों के साथ–साथ दिल्ली, राजस्थान, चंडीगढ़, पंजाब, हिमाचल प्रदेश आदि मार्गों पर भी संचालित की जा रही हैं। बस अड्डा पिपली मुख्य बस अड्डा कुरुक्षेत्र से लगभग 3 किलोमीटर दूर NH–44 पर स्थित है। पिपली में वर्ष 1987 में 10 एकड़, 4 कनाल और 19 मरला भूमि पर 3 बेज बस अड्डे का निर्माण किया गया था और इसका उद्घाटन 06.04.1987 को किया गया था। पिपली बस अड्डे निर्माण पर कुल 8,43,000/–रूपये की राशि खर्च हुई थी।

कुरूक्षेत्र एक धार्मिक स्थल है और यहां देश के कोने–कोने के अलावा विदेशों से भी पर्यटक आते हैं। उपरोक्त को ध्यान में रखते हुए, माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा द्वारा कोड संख्या 12585 दिनांक 20.06.2016 को घोषणा की है जिसके तहत पिपली में एक आधुनिक बस अड्डे का निर्माण किया जाना है। माननीय मुख्यमंत्री, हरियाणा सरकार के स्तर पर इस बस अड्डे को पीपीपी मोड पर बनाने की मंजूरी दी गई और DIMTS, नई दिल्ली को सलाहाकार के रूप में चुना गया। सलाहकार फर्म द्वारा विस्तृत परियोजना रिपोर्ट प्रस्तुत की गई थी, लेकिन कोविड–19 महामारी के कारण आगे की प्रक्रिया शुरू नहीं की जा सकी। सलाहाकार फर्म द्वारा कार्यालय को सूचित किया गया कि कोविड–19 के कारण कोई इच्छुक निर्माणकर्ता(concessionaire) उपलब्ध नहीं हो पा रहा और बस अड्डे के निर्माण के प्रस्ताव को ईपीसी (स्व–वित्तपोषण) मोड के तहत बदलने का सुझाव दिया गया। तदानुसार डीपीआर को संशोधित किया गया और बस स्टैंड के निर्माण के तरीके को बदलने के लिए प्रस्ताव माननीय मुख्यमंत्री को भेजा गया। माननीय मुख्यमंत्री द्वारा चाहा गया कि निर्माण का तरीका बदलने से पहले CoSI की मंजूरी प्राप्त की जाए। सलाहाकार फर्म के साथ चर्चा के बाद, वित्त विभाग ने चाहा है कि वर्तमान मूल्य निर्धारण पर संशोधित डीपीआर निर्णय के लिए प्रस्तुत की जाए।

इसके बाद सलाहाकार फर्म की ओर से यह भी सुझाव दिया गया कि कोविड–19 का दौर समाप्त हो चुका है और कार्य सुचारू रूप से चल रहे हैं इसलिए विभाग को इस बस अड्डे के निर्माण के लिए माननीय मुख्यमंत्री के पूर्व अनुमोदन के अनुसार एक बार फिर से पीपीपी मोड पर जाना चाहिए। तदानुसार, कार्यालय ने सलाहकार फर्म को वर्तमान मूल्य निर्धारण पर संशोधित डीपीआर अवलोकन और अनुमोदन के लिए प्रस्तुत करने के निर्देश जारी किए। अब, सलाहकार से विस्तृत परियोजना रिपोर्ट का मसौदा प्राप्त चुका है जिसे मूल्यांकन और अनुमोदन के लिए बुनियादी ढांचे पर सचिवों की समिति को प्रस्तुत किया गया है। सचिवों की समिति से अनुमोदन प्राप्त करने के बाद आगे की कार्रवाई की जाएगी और निविदा प्रक्रिया के माध्यम से चयनित निर्माणकर्ता(concessionaire) को कार्य आवंटित किया जाएगा।